पहली बार पढ़िए नमकीन की आधुनिकता की कहानी ▪ एक जिला एक

करमदी में नमकीन क्लस्टर की इमारतें लगना शुरू हो गई हैं। यह 18 हेक्टेयर क्षेत्र में बन रहा है। 112 प्लॉटों की बुकिंग हो चुकी है और अब इसका दूसरा चरण मौजूदा क्लस्टर के निकट शुरू हो रहा है।

अब सेंव की सरकारी ब्रांडिंग: ई- के मार्फत देश-दुनिया तक पहुंचे

भास्कर संवाददाता | रतलाम

अब तक व्यापारियों के भरोसे पहचान बना रही सेंव की ब्रांडिंग अब सरकार भी करेगी। जरिया बनेगी एक जिला एक उत्पादन योजना, जिसमें जिले से रतलामी सेंव का रजिस्ट्रेशन कराया गया है। अब डिटेल्ड प्लानिंग बनाकर इसकी नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर ब्रांडिंग की तैयारी की जा रही है। इसके लिए खास तौर पर ई-कॉमर्स कंपनियों का सहारा लिया जाएगा। दो साल पहले सेंव को जर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन से संबंधित जियोग्राफिकल इंडिकेशन ऑफ गुड्स (रजिस्ट्रेशन एंड प्रोटेक्शन) एक्ट 1999 में जीआई टैग भी मिल चुका है। सरकार को इसका फायदा यह मिलेगा कि एक तो पूरी दुनिया में कोई भी रतलामी सेंव के नाम से नमकीन नहीं बेच सकेगा। दूसरा कारोबारी बहुत आसानी से एक्सपोर्ट कर सकेंगे।

रतलामी सेंव

680 से अधिक दुकानें व निर्माता कंपनी

21 तरह के नमकीन बनते हैं

सेवइयां समय के साथ बन गई में मिलती थी मखमल के कप

अपने जायके से मुंह में पानी ला देने वाली रतलामी सेंव का इतिहास 350 साल से ज्यादा पुराना है। बताया जाता है कि रणजीत विलास पैलेस बनाने वाले मजदूर और कारीगर सेवइयां जैसी वस्तु बनाकर उसमें बहुत सारे मसाले डालकर इसे खाते थे। एक दिन निर्माण कार्य का जायजा लेने आए तत्कालीन महाराजा की नजर सेवइयां पर पड़ी। खाने की नई वस्तु देख उन्होंने भी उसे खाकर देखा तो स्वागत पसंद आ गया। उसके बाद शुरू हुआ। की लंबाई भी सेंव हो दो जगह मखमल के कपड़े पर सेंव की क्व जाती थी। आसपास को उपहार शुरू किया, देशभर में

भास्कर संवाददाता | रतलाम

मालवा में वर्तमान में बड़े प्रोजेक्ट आकार ले रहे हैं। इसमें सबसे महत्वाकांक्षी दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस वे है जिससे तरक्की, निवेश और औद्योगिक संभावनाओं का बड़ा कॉरिडोर हमारे सामने खुलेगा। इसके अलावा रतलाम में प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा निवेश क्षेत्र खुलने जा रहा है जिसमें 24 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

वहीं नीमच का झांझरखाड़ा औद्योगिक क्षेत्र 86000 हेक्टेयर क्षेत्र में आकार लेगा। इसमें 192 इकाइयां काम करेंगी। वहीं रतलाम जिले के जावरा का टेक्सटाइल पार्क और बहु-उत्पाद औद्योगिक केंद्र मालवा की औद्योगिक संभावनाओं की शान बढ़ाएंगे। सैद्धांतिक स्वीकृति मिलते ही काम शुरू हो जाएगा।

मालवा का प्रमुख औद्योगिक एवं व्यापारिक केंद्र बनने की दिशा में विशेष निवेश क्षेत्र की बदौलत रतलाम ने औद्योगिक तरक्की के लिए बड़ा कदम बढ़ा दिया है। लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित होने वाले यह निवेश क्षेत्र दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे के पास शहर से लगे ग्राम जुलवानिया से बिबड़ौद तक 1799 हेक्टेयर में बनेगा। उद्योगों की सुविधा के लिए लगभग 1848.86 करोड़ के खर्च से तमाम इंफ्रास्ट्रक्चर भी डेवलप किया जाएगा। मालवा, प्रदेश और देशभर के उद्योग जगत से इसमें लगभग 18000 करोड़ रुपए के निवेश की उम्मीद जताई जा रही है। इससे रतलाम, मंदसौर, नीमच सहित मालवांचल के 24000 लोगों को रोजगार भी मिलेगा। विधायक चैतन्य काश्यप के सुझाव पर एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कार्पोरेशन (एमपीआईडीसी) लिमिटेड ने जमीन का चयन कर डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाना शुरू कर दिया है। 4 फरवरी को प्रोजेक्ट प्लान देखने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इसको मंजूरी भी दे चुके हैं। यह देवास के बाद प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा निवेश क्षेत्र होगा, जो 2025 तक निवेश क्षेत्र धरातल पर आकार लेने लगेगा।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार दैनिक भास्कर –पृष्ठ 22 दिनांक 30/04/2021

{ पहली बार पढ़िए हाईवे पर बढ़ रहे हादसों को रोकने के लिए शुरू किए अभियान के बारे में }

रतलाम जिले में 'रोड सेफ्टी ऑडिट' अभियान से 20 फीसदी हादसे रोके

दुर्घटना संभावित स्थानों पर रिफ्लेक्टर लगाए ताकि वाहन चालकों को परेशानी नहीं आए

भास्कर संवाददाता | रतलाम

जिले में दुर्घटनाएं रोकने के लिए चलाए गए 'रोड सेफ्टी ऑडिट' अभियान के तहत दुर्घटनाओं में कमी आई है। 5 सालों विश्लेषण से 12 ब्लाइंड स्पॉट के अतिरिक्त कुल 60 ऐसे स्थानों को चिन्हित किया गया है जिन पर ज्यादा दुर्घटनाएं हुई हैं। अभियान के साथ किए गए सुधार के बाद होने वाली दुर्घटनाओं में काफी कमी आई है। अभियान के तहत एसपी तिवारी ने 20 दिन तक 450 किलोमीटर से ज्यादा पैदल भ्रमण कर दुर्घटनाओं के कारणों का पता लगा निराकरण किया।

दुर्घटनाओं के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए एसपी गौरव तिवारी ने 27 अक्टूबर 2020 को कार्यालय में बैठक ली थी। इसमें दुर्घटना का कारण बनने वाले ब्लाइंड स्पॉट, घुमावदार मोड़, अनावश्यक साइन बोर्ड, सड़क के आसपास उगी हुई बड़ी झाड़ियां जो व्यू कटर का काम करती हैं आदि को चिन्हित कर संबंधित विभाग पीडब्ल्यूडी, एमपीआरडीसी, एनएचएआई आदि की सहायता से ब्लाइंड स्पॉट व अन्य को सही करने का प्रयास किए जाने को लेकर चर्चा की गई थी। उन्होंने बैठक में बताया था कि ग्रामीण क्षेत्रों में 80 से 85 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोग सड़क दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। इसका मुख्य कारण जानकारी व रोड पर वाहन चलाने संबंधी नियमों की जानकारी का अभाव, ओवर स्पीडिंग, शराब पीकर वाहन चलाना, वाहन को असुरक्षित खड़ा करना, हेलमेट का उपयोग नहीं करना, यातायात संकेतों का ज्ञान न मुख्य कारण है।

ब्लाइंड स्पॉट

सातरुंडा चौराहा, रत्तागिरी, इप्का फैक्टरी सेजावता फंटा, बाजेड़ा फंटा नामली, भदवासा फंटा नामली, हसन पालिया फंटा, रतलामी नाका, भीमाखेड़ा फंटा, जावरा बस स्टैंड चौपाटी

जिले में घुमावदार मोड़ वाले स्थानों को चिह्नित कर वहां पर संकेतक लगाए गए और रिफ्लेक्टर के जरिए रात में हादसे रोकने के इंतजाम किए गए।

पांच साल के दुर्घटना के डाटा का विश्लेषण कर मालूम किए ब्लाइंड स्पॉट

5 सालों की जानकारी में यहां हादसे हुए। 1. सातरुंडा चौराहा 2. रत्तागिरी 3. प्रकाश नगर 4. बिलपांक फंटा 5. धराड़ पुलिया 6. बाजन खेड़ा 7. इटावा माताजी फंटा 8. सेजावता फंटा 9. घटला ब्रिज 10. इप्का फैक्टरी 11. साक्षी पेट्रोल पंप 12. अलकापुरी तिराहा 13. बंजली बायपास 14. धौंसवास 15. बाजेड़ा फंटा 16. पंचेड़ फंटा नामली 17. पल्दुना फंटा 18. गोकुल होटल हाइवे रोड 19. भदवासा फंटा 20. हसन पालिया फंटा 21. रतलामी नाका जावरा 22. जावरा चौपाटी 23. भीमाखेड़ी फंटा 24. जोयो तिराहा 25. अरनिया पीथा फंटा 26. चुरु दालमिल के सामने 27. परवलिया डेरा 28. कलालिया फंटा 29. ढोढर बाछड़ा डेरा 30. माननखेड़ा बस स्टैंड 31. आड़ापथ तिराहा 32. बासिंद्रा नर्सरी के पास 33. धमनीया रोड 34. उमर घाट तिराहा 35. कुवरपाड़ा मोड 36. नाहरपुरा घाट 37. माही नदी पुलिया 38. करमदी तिराहा 39. मुंडला कला फंटा 40. ताल आलोट फंटा 41. कसारी पुलिया 42. खारवां कला फंटा 43. रियावन मावता फंटा 44. प्रतापगढ़ पिपलौदा फंटा 45. कोटड़ा तिराहा 46. सकरावदा रोड भेरूघाटा 47. बोदीना फंटा 48. सैलाना करिया रोड सगसजी मोड 49. पिपलौदा सैलाना फंटा 50. धामनोद फंटा 51. अडवानिया केदारेश्वर घाट 52. बरखेड़ा रोड 53. गैस गोदाम के सामने बरखेड़ा 54. देरी फंटा आलोट 55. बगुनिया फंटा आलोट 56. राजापुरा माताजी घाट 57. शिवगढ़ बाजना रोड, जामदा भिलान 58. छावनी झोड़िया 59. चंद्रगढ़ रोड तैरा फंटा 60. माही घाट बाजना।

हाईवे किनारे ब्लॉइंड स्पॉट के कार्य पूर्ण हो चुके हैं

सालाखेड़ी क्षेत्र के हाईवे के किनारे लाइट की व्यवस्था की गई, नामली क्षेत्र अंतर्गत हाईवे पर बोर्ड लगवाए व लिंक रोड पर सुरक्षा के लिए स्पीड ब्रेकर बनाए। महू-नीमच हाईवे पर धीमे चले के बोर्ड लगवाए, मोड़ पर रेडियम पट्टी लगवाई, धराड़ कस्बे में हाईवे किनारे लाइट की व्यवस्था की, ढोढर क्षेत्र अंतर्गत रोड पर डिवाइडर सही करवाए, हाईवे पर शोल्डर भरे, रोड डिवाइडर ठीक करवाए, जमा अतिरिक्त धूल मिट्टी हटवाई, जावरा चौपाटी पर स्पीड ब्रेकर बनवाए, सड़क पर सफेद पट्टी लगाई, जावरा-आगर हाईवे के ब्लैक स्पॉट और सिंदूरकिया फंटे पर स्पीडब्रेकर (रंबल) लगवाए, मोड़ पर सड़क दिखाई देने के लिए झाड़ियां कटवाई, जावरा-नागदा हाईवे पर राजखेड़ी के पास रैलिंग व झाड़ियां कटवाई, ताल-आलोट के बीच सड़क मरम्मत का काम पूरा हो चुका है। सर्वे में रोड पर निगरानी हेतु 127 स्थानों पर करीब 265 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने का प्रस्तावित है। इनमें 188 सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। 202 लाइटें लगाई जा चुकी हैं। 170 बोर्ड लगाए गए। 16 स्पीड ब्रेकर रिपेयर पूर्ण हो चुका है। महत्वपूर्ण स्थानों पर 1400 रेडियम पट्टी लगाई जा चुकी है। रोड सेफ्टी ऑडिट' में किए गए सुधारों से पिछले साल की तुलना में दुर्घटनाओं में करीब 20 प्रतिशत कमी आई है। पिछले साल जहां 1223 दुर्घटनाओं में 187 की मौत हुई थी।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–नईदुनिया–पृष्ठ 18...दिनांक 30/04/...2021

जनता कर्फ्यू के परिणाम सुखद, कहीं भी न लगे भीड़, टालें शादियां : शिवराज

30-4-21

भोपाल (नईदुनिया स्टेट ब्यूरो)। कोरोना को नियंत्रित करने के लिए संक्रमण की कड़ी को तोड़ना जरूरी है। इसके लिए कुछ जिलों में शादियां टाल दी हैं। सामाजिक संगठनों का सहयोग लेकर शादियां टालने के लिए जनजागरण का काम किया जाए। कहीं भी भीड़ न लगे। जनता कर्फ्यू के सुखद परिणाम अब सामने आने लगे हैं। स्वस्थ होने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इसे बरकरार रखने के लिए खंडवा, छिंदवाड़ा और बुरहानपुर में जिस तरह प्रयास किए गए, वैसे अन्य जिलों में भी अपनाए जाएं। यह बात बुधवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 18 जिलों में कोरोना की स्थिति की समीक्षा करते हुए कही।

कोरोना संकट

- **मुख्यमंत्री ने 18 जिलों में कोरोना की स्थिति की समीक्षा की**
- **स्वस्थ होकर जाने वालों की संख्या में हो रही है लगातार वृद्धि**

मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में इंदौर, उज्जैन, रतलाम, टीकमगढ़, धार, अनूपपुर, झाबुआ, नीमच, देवास, निवाड़ी, मंदसौर, खरगोन, शाजापुर, आगर–मालवा, आलीराजपुर, बड़वानी, खंडवा और बुरहानपुर जिले की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने इंदौर में ड्राइव–इन द्वारा संक्रमण जांच के लिए बड़े मैदानों में व्यवस्था के नवाचार की सराहना की। साथ ही कहा कि आरंभिक अवस्था में पहचान से संक्रमण पर आसानी से नियंत्रण हो जाता है। ऐसे गरीब व्यक्ति, जिनके पास पात्रता पर्ची नहीं है, उन्हें भी निःशुल्क अनाज उपलब्ध कराया जाएगा। पर किसी भी सूरत में कहीं पर भीड़ नहीं लगनी चाहिए। संक्रमण की कड़ी को तोड़ने के लिए समाज के सभी वर्गों का साथ लिया जाए।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना नियंत्रण को लेकर जिला आपदा प्रबंध समूहों के साथ संवाद किया। ● जनसंपर्क विभाग

झांसी से बस परिवहन पर लग सकती है रोक

बैठक में बताया गया कि निवाड़ी और दतिया में उत्तर प्रदेश (झांसी) से लोगों का आना जारी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बस परिवहन को कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करने पर विचार किया जाए। वहीं, बताया गया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के 1.11 करोड़ उपभोक्ता परिवारों को राशन देने के लिए थंब इंप्रेशन नहीं लिया जाएगा।

प्रदेश को मिले दो नए टैंकर, राउरकेला भेजे

बैठक के बाद गृहमंत्री डा.नरोत्तम मिश्रा ने बताया गया कि आक्सीजन एक्सप्रेस से आए टैंकरों को खाली करके हवाई जहाज से वापस भेजा गया है। प्रदेश को आक्सीजन के दो नए टैंकर भी प्राप्त हुए हैं, जिन्हें राउरकेला भरने के लिए भेजा है। कोरोना की गति को काबू में करने के प्रयासों के परिणाम दिखाई देने लगे है। पॉजिटिविटी दर घट रही है। साथ ही प्रकरण मंगलवार की तुलना में कम आए हैं।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार– राज एक्सप्रेस पृष्ठ 19 दिनांक 30/04/2021

निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराएं : कलेक्टर श्री डाड

रतलाम ■ राज न्यूज नेटवर्क 30/4/21

कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने जिले के राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कोरोना कर्फ्यू के दौरान प्रतिबंधात्मक आदेश में दिए गए निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराएं। कोरोना संक्रमण की चैन को ब्रेक करने के लिए आवश्यक है कि इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित हो। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों की बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, एडिशनल एसपी सुनील पाटीदार, इंद्रजीत बाकलवार, एडीएम श्रीमती जमुना भिड़े अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं पुलिस मौजूद थे।

कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी इस दौरान ध्यान दें कि आम नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो तथा अनावश्यक आवाजाही करने वालों पर कार्यवाही भी हो। उन्होंने जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए रेंडम सेंपलिंग की जाए । इसमें खाद्य विभाग, नापतोल विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को तैनात करें। उन्होंने कहा कि होम डिलीवरी में जो सामान आम नागरिकों तक पहुंच रहा है उसकी दरें भी सुनिश्चित करें ताकि कोई अधिक दाम नहीं वसूल सके।

पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी ने कहा कि सभी पुलिस अधिकारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में प्रतिबंधात्मक आदेश का पालन सुनिश्चित करें। नागरिकों की आवाजाही पर रोक लगाएं तथा अनावश्यक घूमने वालों पर कार्रवाई करें। इस दौरान वर्चुअल रूप से जुड़े सभी अनु विभागीय अधिकारियों को भी उनके क्षेत्रों से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए गए।

राहत | **अब तक एक हजार से अधिक पाजिटिव एवं संदिग्ध मरीजों को वितरण**

कोरोना संक्रमण रोकने में आयुर्वेदिक किट से मिल रहा सहारा

30/4/2021

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर सहित जिले में कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए कोरोना से बचाव के लिए आयुर्वेदिक विभाग ने औषधियों का वितरण शुरू कर दिया है। जिला आयुर्वेद अधिकारी डा. प्रमिला चौहान ने बताया कि राज्य सरकार की गाइड लाइन पर आयुर्वेद विभाग पूरी क्षमता से दायित्व निभाने के लिए प्रयासरत है। इसके तहत कोविड से बचाव के लिए महासुदर्शन चूर्ण, संशमनी वटी का वितरण किया जा रहा है। पाजिटिव मरीजों को एलोपैथी किट के साथ आयुर्वेद किट भी दी जा रही है। इसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। अभी तक एक हजार किट का वितरण किया जा चुका है। कलेक्टर की सहमति से इस कार्य में निजी संस्थाओं की मदद ली जा रही है। जिला अस्पताल सहित दो स्थानों पर स्टाल लगाए गए हैं, जहां वितरण हो रहा है। एफएसीटी ग्रुप से मदद ली जा रही है। साथ ही शासन स्तर से भी वितरण हो रहा है। कोरोना महामारी को देखते हुए औषधियों की आपूर्ति की जा रही है। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी ने कोरोना महामारी को देखते हुए आमजन से घरों में रहने, अनावश्यक घरों से बाहर नहीं निकलने, मास्क का प्रयोग करने, भीड़ में जाने से बचने, दो गज की दूरी रखने और सरकारी गाइडलाइन का पालन करने की अपील की है।

भक्तन की बावड़ी मुक्तिधाम पहुंचाई चार ट्राली लकड़ियां

रतलाम। जिले के सोहनगढ़ (पिपलौदा) म.प्र. जन अभियान परिषद के मे कोरोना वालेंटियर अभियान से जुड़कर ग्रामीणों ने चार ट्राली लकड़ी एकत्र की। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सोहनगढ़ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संयुक्त प्रयास लकड़ियों से भरी चार ट्रैक्टर-ट्रालियां अंतिम संस्कार में उपयोग के लिए भक्तन की बावड़ी रतलाम मुक्तिधाम पहुंचाई गई।

सोहनगढ़ में ट्रैक्टर-ट्राली में लकड़ी भरते हुए युवा। ● नईदुनिया

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार दै. भास्कर पृष्ठ 05 दिनांक 30/04/2021

अमृत सागर तालाब

22.84 करोड़ से होगा सौंदर्यीकरण, नालों को डायवर्ट कर केमिकल ट्रीटमेंट से साफ करेंगे

भास्कर संवाददाता | रतलाम

जलकुंभी और गंदे नालों की वजह से बदतर हो चुके प्राचीन अमृतसागर तालाब के दिन जल्द बदलने वाले हैं। 0.18 वर्ग किमी में फैले तालाब का झील संरक्षण योजना में 22.84 करोड़ रुपए के खर्च से सौंदर्यीकरण होगा। इससे आसपास की 11 कॉलोनियों के 24 हजार से ज्यादा रहवासियों को फायदा होगा। इसके लिए नगर निगम और राज्य वेटलैंड प्राधिकरण के पर्यावरण नियोजन एवं समन्वयक संगठन के बीच एमओयू साइन हो चुका है। योजना के मुताबिक तालाब में मिलने वाले बोहरा बाखल और लक्कड़पीठा नाले को डायवर्ट करके जलकुंभी खत्म करने पानी को केमिकल ट्रीटमेंट से साफ किया जाएगा। सुरक्षा बाउंड्रीवॉल बनाने के साथ पाल भी चौड़ी होगी। इस पर पाँथ-वे और मनोरंजन के लिए प्ले एरिया भी बनेगा। 2007 से तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए बनना शुरू हुई योजना 2019 में लगभग बंद हो गई थी। विधायक चैतन्य काश्यप ने केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर से बात कर इसे फिर स्वीकृत करवाया। लागत का 60% केंद्र सरकार, 30 राज्य शासन और 10% निगम मिलाएगा। केंद्र ने पहली किस्त में 6.85 करोड़ रुपए का अनुदान राज्य सरकार को दे दिया है। इसमें से 4 करोड़ का चेक 4 फरवरी को आए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भूमिपूजन करने के साथ प्रशासन को सौंप चुके हैं।

ऐसे बदलेगी अमृत सागर तालाब की दशा

3.88 करोड़ मशीन व केमिकल ट्रीटमेंट से जलकुंभी को जड़ से खत्म करना

01 करोड़ से पाल की पिचिंग और चौड़ीकरण करके पाँथ-वे का निर्माण

3.47 करोड़ से तालाब व आसपास की गंदगी को 10 किमी दूर ले जाकर निपटान

50 लाख दो नालों को डायवर्ट करना

2.50 करोड़ से दो जगह वेटलैंड वेस्टवेयर ट्रीटमेंट सिस्टम का निर्माण

40 लाख से वॉच टॉवर, टूरिज्म ऑफिस और पब्लिक अवेयरनेस गतिविधि

40 लाख से तालाब के पानी की नियमित मॉनिटरिंग

2.87 करोड़ रुपए से तीन प्रवेश द्वार, पार्किंग एरिया, लैंप पोस्ट, बैंच, बोटिंग, गजेबो

1.97 करोड़ से बाउंड्रीवॉल और 3.48 करोड़ रुपए से जीएसटी

1.85 करोड़ जलापूर्ति व स्वच्छता

50 लाख से सालिड वेस्ट मैनेजमेंट

भास्कर नॉलेज

जल प्राकृतिक रूप से लगातार चक्र में घूमता रहता है। इसमें वाष्पीकरण, वर्षा और बह कर सागर में बहना शामिल है। हवा जल वाष्प को स्थल की सतह से उठाकर आकाश में ले जाती है। वातावरण में संघनित बूंदें जमा होकर बादल का निर्माण करती हैं। यह जब भारी हो जाते हैं तो पुनः धरती पर वर्षा या ओले के रूप में गिरने लगते हैं। यही जलचक्र है। इसमें खास बात यह है कि जल वाष्प में लवण वाष्पित नहीं होते। यही कारण है कि सागर से वाष्पित पानी नमकीन होते हुए भी वर्षा के रूप में गिरने पर मीठा होता है।

70% खेती के काम में जल का इस्तेमाल होता है। इसके बाद दूसरा बड़ा प्रयोग घरेलू स्तर पर होता है। फिर औद्योगिक मांग में।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार नवभारत –पृष्ठ 14 दिनांक 30/04/2021

इलेक्ट्रानिक गोदाम में भीषण आग, भारी नुकसान की आशंका

रतलाम। फ्रीगंज स्थित एक इलेक्ट्रानिक सामान के गोदाम में गुरूवार को अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी

आग की लपटें, धुआं काफी दूर से नजर आया

कि आग की लपटें और धुआं शहर के दूर दराज इलाकों तक नजर आ रहा था। इस अग्निकाण्ड में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है। फायर ब्रिगेड ने जल्दी ही इस आग पर काबू पा लिया।

दौबत्ती स्थित दूरदर्शन इलेक्ट्रानिक्स का फ्रीगंज में गोदाम बना हुआ है,जहां बड़ी मात्रा में फ्रिज और कूलर इत्यादि रखे हुए थे। इस गोदाम में शाम करीब चार बजे अचानक आग की लपटें उठती दिखाई दी। देखते ही देखते आग ने विकराल रुप धारण कर लिया और आग की लपटें और धुआं काफी दूर से नजर आने लगा। आगजनी की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की फायर लारियां फौरन घटनास्थल पर पंहुची। फायर ब्रिगेड ने करीब पौन घण्टे में आग पर काबू पा लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग पर काबू पाने के लिए पांच फायर लारियों का उपयोग किया गया था। आगजनी को देखते हुए पुलिस भी घटनास्थल पर पंहुच गई थी। इग आगजनी में किसी प्रकार की कोई जनहानि होने की खबर नहीं है। आगजनी से हुए नुकसान का फिलहाल कोई अंदाजा नहीं लगाया जा सका है। आगजनी के कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हुए है।

फ्रीगंज में इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में आग लगी

रतलाम ■ राज न्यूज नेटवर्क 30/4/21

फ्रीगंज स्थित एक इलेक्ट्रानिक सामान के गोदाम में शाम को अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि आग की लपटें और धुआं शहर के दूर दराज इलाकों तक नजर आ रहा था। इस अग्निकाण्ड में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है। फायर ब्रिगेड ने जल्दी ही इस आग पर काबू पा लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार,दौबत्ती स्थित दूरदर्शन इलेक्ट्रानिक्स का फ्रीगंज में गोदाम बना हुआ है,जहां बड़ी मात्रा में फ्रिज और कूलर इत्यादि रखे हुए थे। इस गोदाम में शाम करीब चार बजे अचानक आग की लपटें उठती दिखाई दी। देखते ही देखते आग ने विकराल रुप धारण कर लिया और आग की लपटें और धुआं काफी दूर से नजर आने लगा।

आगजनी की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की फायर लारियां फौरन घटनास्थल पर पंहुची। फायर ब्रिगेड ने करीब पौन घण्टे में आग पर काबू पा लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग पर काबू पाने के लिए पांच फायर लारियों का उपयोग किया गया था। आगजनी को देखते हुए पुलिस भी घटनास्थल पर पंहुच गई थी। इग आगजनी में किसी प्रकार की कोई जनहानि होने की खबर नहीं है। आगजनी से हुए नुकसान का फिलहाल कोई अंदाजा नहीं लगाया जा सका है। आगजनी के कारण फिलहाल स्पष्ट नहीहुए है। प्रारंभिक तौर पर शाट सर्किट को आगजनी का कारण माना जा रहा है।

इलेक्ट्रानिक गोदाम पर आग लगी

रतलाम ● स्वदेश समाचार 30/4/21

फ्रीगंज स्थित दूरदर्शन इलेक्ट्रानिक के गोदाम पर आग लग गई, जिस पर नगर निगम के फायर बिग्रेड ने कई घंटों के बाद काबू पाया। मिली जानकारी के अनुसार आगजनी से कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन काफी मात्रा में फ्रीज, कूलर आदि इलेक्ट्रानिक सामान आग के हवाला हो गया। यह घटना शाम 4 बजे की है।

कागज में चल रहा स्वच्छता अभियान

सड़क पर सफाई, मोहल्लों में लगे हैं कचरे के ढेर

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

30-6-2021

रतलाम @ पत्रिका. नगर निगम ने शहर के 49 वार्डों में कचरे के ढेर के स्थल को समाप्त करने का ढिंढोरा पिटा। बकायदा एलान किया कि जहां जहां कचरे के ढेर थे वहां पर रांगोली बनाई जा रही है। रांगोली बनाने का कार्य जिनको इस कार्य का कोई अनुभव नहीं था, उनको हजारों रुपए के ठेके दे दिए गए। अब हालात यह है कि शहर के अनेक मोहल्लों में कचरे के ढेर जमे हुए है व शहर की साफ सड़कों को ही साफ करके नगर निगम अपनी पीठ खुद ही थपथपा रही है।

नगर निगम ने स्वच्छता अभियान के अंतर्गत चल रहे स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 में शहर के 49 वार्डों में से जहां जहां कचरे के ढेर थे उनको समाप्त करने की घोषणा की। इसके लिए नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया स्वयं इन मोहल्लों में गए व जो लोग कचरा डालते थे उन पर आर्थिक जुर्माना किया। यहां तक की डस्टबिन लगाए जाने के फोटो लिए व निगम का स्वास्थ्य विभाग का अमला उन डस्टबिन को फिर उठाकर ले गया। इसके बाद निगम के स्वास्थ्य विभाग का पूरा अमला कोरोना आने के बाद सैनेटाईजर छिड़काव से लेकर कोविड के मरीजों को घर घर जाकर दवा देने में व्यस्त हो गया। ऐसे में स्वच्छता कार्य के लिए जो कचरा पाइंट समाप्त किए गए थे, वहां पर फिर से जमकर कचरा एकत्रित होने लगा है। इसको साफ करने वाले जिम्मेदार मैदान से गायब हो गए हैं।

मोहल्लों में कचरे के ढेर कायम

साफ सड़क पर हो रही सफाई

इन नंबर पर दें सूचना

इन नंबर पर दे सूचनाआपके मोहल्ले में कचरा साफ नहीं हो रहा है तो 7471144900 नंबर पर फोटो के साथ सूचना दी जाए, जिससे तुरंत स्वच्छता कार्य किया जा सके।

- सोमनाथ झारिया, आयुक्त नगर निगम

छह से ज्यादा फायर लारियों और टैंकर से पानी पहुंचाने के बाद आग पर पाया जा सका काबू

प्लास्टिक के स्क्रेप गोदाम में लगी भीषण आग, कोई जन नुकसान नहीं, तीन घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

रतलाम. फीगंज स्थित एक इलेक्ट्रानिक सामान के स्क्रेप के

यात्रियों को राहत

झांसी से बांद्रा के लिए ट्रेन, दोनों दिशा से होगा रतलाम में ठहराव

रतलाम. रेलवे के रतलाम मंडल से होते हुए ट्रेन नंबर 02199/02200 झांसी बांद्रा टर्मिनस-झांसी ट्रेन को 3.43/3.45, उज्जैन 4.55/5.10, मक्सी 6.00/6.02 होते हुए प्रति रविवार सुबह 5 बजे झांसी पहुंचेगी।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार राज एक्सप्रेस पृष्ठ 04 दिनांक 30/4/2021

नितलेश–गोपाल बिड़वान सेवा से बर्खास्त

रतलाम। निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने 30 दिवस सफाई संरक्षक नितलेश-गोपाल बिड़वान को अनुकम्पा नियुक्ति हेतु न्यायालयीन प्रकरणों का उल्लेख अनुप्रमाणन फार्म में नहीं किये जाने व तथ्यों को छिपाये जाने पर सेवा से बर्खास्त किया।

नितलेश-गोपाल बिड़वान निवासी 247, गांधी नगर द्वारा इनकी माता श्रीमती आनन्दीबाई पति गोपाल के स्थान पर अनुकम्पा नियुक्ति हेतु प्रकरण विचाराधीन है। अनुकम्पा नियुक्ति दिये जाने हेतु पुलिस विभाग से चरित्र सत्यापन हेतु पत्र प्रेषित किये जाने पर नितलेश बिड़वान पर 6 विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध होना पाया गया। नितलेश बिड़वान वर्तमान में 30 दिवस बदली सफाई संरक्षक के पद पर कार्यरत है। नितलेश-गोपाल बिड़वान द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति हेतु न्यायालयीन प्रकरणों का उल्लेख अनुप्रमाणन फार्म में नहीं किये जाने व तथ्यों को छिपाये जाने पर दैनिक वेतन भोगी (सेवा की शर्तें) नियम के तहत सेवा से बर्खास्त किया गया।

राज 30-4-21

नितलेश–गोपाल बिड़वान सेवा से बर्खास्त

रतलाम। निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने 30 दिवस सफाई संरक्षक नितलेश-गोपाल बिड़वान को अनुकंपा नियुक्ति हेतु न्यायालयीन प्रकरणों का उल्लेख अनुप्रमाणन फार्म में नहीं किए जाने व तथ्यों को छिपाने पर सेवा से बर्खास्त कर दिया है। नितलेश-गोपाल बिड़वान निवासी गांधी नगर द्वारा माता आनंदीबाई पत्नी गोपाल के स्थान पर अनुकंपा नियुक्ति हेतु प्रकरण विचाराधीन है। अनुकंपा नियुक्ति देने के लिए पुलिस विभाग से चरित्र सत्यापन हेतु पत्र प्रेषित किए जाने पर नितलेश बिड़वान पर छह विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध होना पाया गया। नितलेश बिड़वान वर्तमान में 30 दिवस बदली सफाई संरक्षक के पद पर कार्यरत है। नितलेश-गोपाल बिड़वान द्वारा अनुकंपा नियुक्ति हेतु न्यायालयीन प्रकरणों का उल्लेख अनुप्रमाणन फार्म में नहीं किए जाने व तथ्यों को छिपाने पर दैनिक वेतन भोगी (सेवा की शर्तें) नियम के तहत सेवा से बर्खास्त किया गया।

30/04/2021

...त्पाद योजना में सेंव का रजिस्ट्रेशन

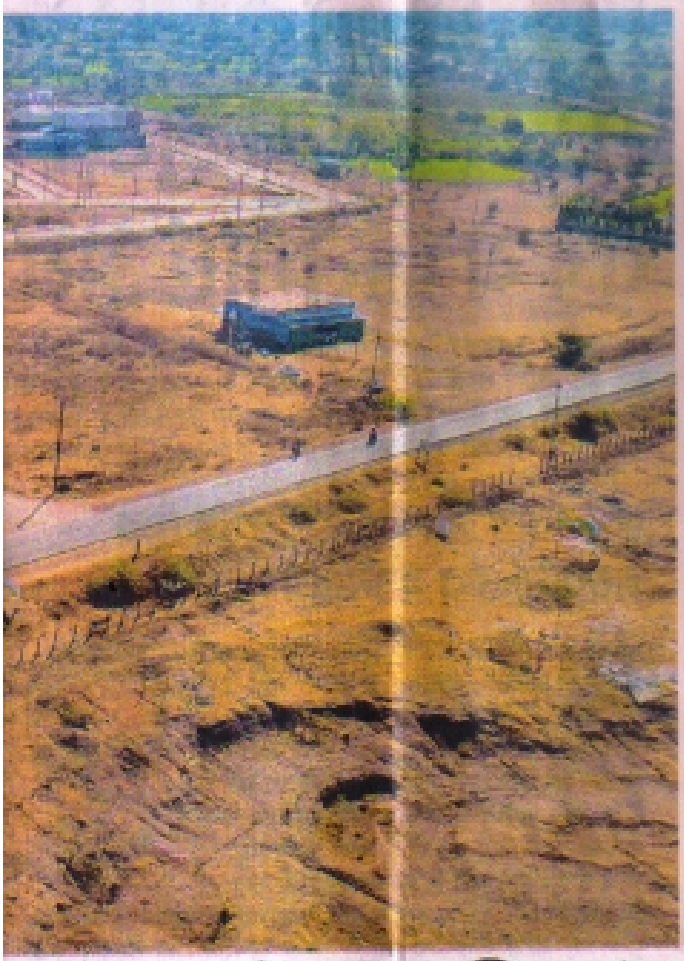

...कॉमर्स कंपनियों ...गा असली स्वाद

...सेंव, शुरुआत ...ड़ में

...सेवइयां बनने का दौर ...समय के साथ सेवइयां ...म होने के साथ नाम ...या। तब शहर में एक- ...सेंव बनती थी, जो ...कपड़े में मिलती थी। ...ल चढ़ जाए मतलब ...लिटी अच्छी नहीं मानी ...हाराजा ने राजस्थान व ...राज्यों में रिश्तेदारों ...के साथ सेंव भेजना ...उससे सेंव की प्रसिद्धि ...ल गई।

1995 में लगा था रेलवे स्टेशन पर प्रतिबंध

रेलवे स्टेशन परिसर में सेंव की बिक्री पर 1995 में तत्कालीन सीनियर डीसीएम जीडी शर्मा ने प्रतिबंध लगा दिया था। कार्रवाई शिकायत मिलने पर खुद सेंव चखने के बाद की थी। चार साल पहले रेलवे ने बेचने की छूट तो दे दी लेकिन नियम इतने सख्त बना दिए कि अब तक स्थानीय दुकानदारों को मौका नहीं मिल पा रहा है।

इंटरनेशनल लेवल पर ब्रांडिंग की तैयारी

ई-कॉमर्स कंपनियों के मार्फत रतलामी सेंव की नेशनल-इंटरनेशनल लेवल पर ब्रांडिंग की प्लानिंग है। सरकार की एक जिला एक उत्पाद योजना में सेंव का रजिस्ट्रेशन हुआ चुका है। वर्तमान क्लस्टर के पास 13 हे. जमीन है। उसे क्लस्टर में शामिल करेंगे।
गोपालचंद्र डाड, कलेक्टर

नमकीन क्लस्टर का दायरा 13 हे. में बढ़ाया जाएगा

80 यूनिट लग सकेगी

रतलाम | करमदी रोड पर स्थित मालवा के एकमात्र नमकीन क्लस्टर के सभी 112 प्लॉटों की उद्योगपतियों ने बुकिंग कर ली है। प्लॉटों के लिए आ रही डिमांड देखते मप्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआईडीसी) इसका दायरा बढ़ाने जा रहा है। इसके लिए क्लस्टर के पास वाली 13 हेक्टेयर जमीन चयनित कर ली गई है। जल्द ही भूमि एमपीआईडीसी को आवंटित हो जाएगी। विस्तार के बाद 18 हेक्टेयर वाले क्लस्टर का दायरा बढ़कर 31 हेक्टेयर हो जाएगा, जिसमें 82 और यूनिट लग सकेंगी। अभी वर्तमान क्लस्टर में 17 यूनिटों में सेंव, मसाले, बेकरी सहित अन्य वस्तुओं का उत्पादन हो रहा है। लगभग इतनी ही इस साल और शुरू हो जाएगी।

जमीन चयनित करने व प्रशासनिक सहमति मिलने के बाद एमपीआईडीसी ने नमकीन क्लस्टर के विस्तार की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाना शुरू कर दिया है।

नमकीन क्लस्टर की स्थिति

क्षेत्रफल	18.14 हे.	अन्य यूनिट	7 (बेकरी, मसाले, आइसक्रीम, साल्टेक्स)
प्लॉट	112 (बुकिंग हो चुकी)		
खर्च	13 करोड़	अभी लग रही	8 यूनिट
उत्पादन शुरू	17 यूनिट में	इस साल लगेंगी	10 यूनिट
नमकीन यूनिट	10		

भास्कर नॉलेज

जिले में सेंव को कुटीर उद्योग कहा जा सकता है। इसकी शुरुआत रेलवे स्टेशन से लेकर बस स्टैंड पर बाहरी यात्री को मिल जाती है। कई निर्माता थोक दुकानदारों को भी माल देते हैं, फुटकर व्यापारियों को भी देते हैं और दुकान पर आए ग्राहक को पचास ग्राम तक सेंव देते हैं। ऐसे दुकानदार 'एक भाव' यानी कि 'फिक्स रेट' की नीति पर कायम रहते हैं। एक टन लीजिए या पचास ग्राम – एक ही भाव। न तो किसी के साथ कोई रियायत न किसी से ज्यादा वसूली। लेकिन ऐसे निर्माता- व्यापारी गिनती के ही हैं।

650 दुकानें हैं इसमें आधे से ज्यादा उत्पादक हैं जो रतलामी नमकीन के कारोबार में रोजाना बढ़ोतरी करते हैं।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–दे.भास्कर–पृष्ठ 15 दिनांक 30/04/2021

जागरूकता : परिवार का हवाला देकर सड़क पर की गांधीगिरी

रतलाम | लॉकडाउन लगने के बावजूद कई नागरिक बेवजह सड़कों पर निकल रहे हैं। ऐसे लापरवाह लोगों को समझाइश देने के लिए बिचला वास निवासी हिमांशी व्यास ने तख्तियों पर लिखवाया "मैं अपने परिवार से प्यार नहीं करता"। उन्हें लेकर दो बत्ती चौराहे पर चेकिंग कर रही पुलिस के साथ बेवजह निकल रहे नागरिकों के हाथ में यह तख्ती पकड़ाई तथा उन्हें समझाइश दी कि आप बिना वजह घर से नहीं निकलें, घर पर रहें, सुरक्षित रहें व परिवार को सुरक्षित रखें। इस दौरान उप निरीक्षक मनोज सिंह मौजूद थे।

बेवजह घूमने वालों को दी हिदायत

दो बत्ती चौराहे पर समझाइश देते उपनिरीक्षक मनोजसिंह व हिमांशी व्यास। •नईदुनिया

रतलाम। लाकडाउन में कई लोग बेवजह सड़कों पर निकल रहे है। ऐसे लापरवाह लोगों को समझाइश देने के उद्देश्य से बिचला वास निवासी हिमांशी व्यास ने तख्तियां बनाई, जिन पर लिखा है 'मैं अपने परिवार से प्यार नही करता' तथा उन्हें लेकर दो बत्ती चौराहा पर चेकिंग कर रही पुलिस के साथ में बेवजह निकल रहे नागरिकों के हाथ में पकड़ाई। साथ ही उन्हें समझाइश दी कि आप बिना वजह घर से नहीं निकलें, घर पर रहें, सुरक्षित रहें व परिवार को सुरक्षित रखें। मास्क पहनें व शासन के दिशा निर्देशों का पालन करें। उपनिरीक्षक मनोजसिंह इस दौरान मौजूद थे।

फैशन घर संचालक पर 188 का केस दर्ज

रतलाम. धनजीभाई का नोहरा स्थित फैशन घर कपड़ा दुकान संचालक के संचालक माणकचौक पुलिस ने धारा 188 में केस दर्ज किया है। दुकान संचालक ने लॉक डाउन के बीच अपनी दुकान खोल रखी थी।

पुलिस ने बताया नायब तहसीलदार नवीन गर्ग के प्रतिवेदन पर यह केस दर्ज किया गया है। फैशन घर संचालक शुभम पटवा पिता सुनील पटवा 25 निवासी हनुमान रुंडी ने बुधवार को अपनी दुकान खोलकर ग्राहकों को एकत्रित कर लिया था। दुकान के अंदर ग्राहकों को बुलाकर उन्हें कपड़े विक्रय किया गया। इससे दुकान के अंदर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी नहीं हो रहा था और कोरोना संक्रमण फैलने का खतरा बना था। पुलिस ने धारा 188 में दुकानदार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–स्वदेश–पृष्ठ 20 दिनांक 30/4/2021

आम नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो तथा अनावश्यक आवाजाही करने वालों पर कार्रवाई भी हो- कलेक्टर

राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को दिए सख्ती के निर्देश

रतलाम ● स्वदेश समाचार

कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने जिले के राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कोरोना कर्फ्यू के दौरान प्रतिबंधात्मक आदेश में दिए गए निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराएं। कोरोना संक्रमण की चेन को ब्रेक करने के लिए आवश्यक है कि इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित हो।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों की बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, एडिशनल एसपी सुनील पाटीदार, इंद्रजीत बाकलवार, एडीएम श्रीमती जमुना भिड़े अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं पुलिस मौजूद थे।

कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी इस दौरान ध्यान दें कि आम नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो तथा अनावश्यक आवाजाही करने वालों पर कार्रवाई भी हो। उन्होंने जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए रेंडम सैंपलिंग की जाए। इसमें खाद्य विभाग, नापतोल विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को तैनात करें। उन्होंने कहा कि होम डिलीवरी में जो सामान आम नागरिकों तक पहुंच रहा है उसकी दरें भी सुनिश्चित करें ताकि कोई अधिक दाम नहीं वसूल सके।

कालाबाजारी रोकने के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी ने कहा कि सभी पुलिस अधिकारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में प्रतिबंधात्मक आदेश का पालन सुनिश्चित करें। नागरिकों की आवाजाही पर रोक लगाएं तथा अनावश्यक घूमने वालों पर कार्रवाई करें। इस दौरान वर्चुअल रूप से जुड़े सभी अनु विभागीय अधिकारियों को भी उनके क्षेत्रों से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने यह भी कहा कि कालाबाजारी को रोकने के लिए कोई भी व्यक्ति, दुकानदार या संस्था किराना का सामान, आवश्यक सामग्री जैसे तेल, साबुन आदि की कालाबाजारी कर रहा है या उक्त वस्तुओं को निर्धारित मूल्य से अधिक दामों पर बेच रहा है तो हेल्पलाइन नंबर 7049162265, 07412-270474 या 07412-222223 पर नागरिक बगैर किसी भय के काल या वाट्सएप के माध्यम से सूचना से अवगत कराए। सूचनाकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार राज एक्सप्रेस पृष्ठ 17 दिनांक 30/04/2021

मुख्यमंत्री ने की 18 जिलों की कोरोना नियंत्रण की समीक्षा

कोरोना को नकेल डालो शादियों को अभी टालो

प्रदेश

भोपाल, (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि संक्रमण नियंत्रण के सफल प्रयासों का अनुकरण करें। प्रदेश के कुछ जिलों में संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए शादियों की तिथियां भी आगे बढ़ा दी हैं। यह अनुकरणीय पहल है। प्रदेश में जनता कर्फ्यू के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम मिलने लगे हैं। नए पॉजिटिव रोगियों की संख्या में कमी आई है। स्वस्थ होकर डिस्चार्ज होने वालों की संख्या बढ़ी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रदेश के 18 जिलों में कोरोना नियंत्रण प्रयासों की वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा समीक्षा कर रहे थे।

संक्रमण नियंत्रण के सफल प्रयासों का अनुकरण करें

उन्होंने कोरोना नियंत्रण के प्रयासों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों की सराहना करते हुए खंडवा, छिंदवाड़ा और बुरहानपुर कलेक्टर को नियंत्रण के लिए किए गए प्रयासों का विवरण शासन को भेजने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन-प्रतिनिधि इस संबंध में सामुदायिक संगठनों और स्वयं-सेवी संस्थाओं के सहयोग से शादी के आयोजनों को टालने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना को नकेल डालो, शादियों को अभी टालो जैसे स्थानीय भाषा में स्लोगन बनाकर जन-जागरण के कार्य व्यापक स्तर पर किए जाएं। उन्होंने कहा कि संक्रमण की चेन तोड़ना ही इस संकट से निजात दिलाएगा। चेन को तोड़ देंगे, तो इलाज की व्यवस्थाएं भी बेहतर हो जाएंगी।

सीएम ने कलेक्टरों से किया सीधा संवाद

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इंदौर, उज्जैन, रतलाम, टीकमगढ़, धार, अनूपपुर, झाबुआ, नीमच, देवास, निवाड़ी, मंदसौर, खरगोन, शाजापुर, आगर-मालवा, अलीराजपुर, बड़वानी, खंडवा और बुरहानपुर जिले के प्रभारी मंत्री, जन-प्रतिनिधियों और कलेक्टर से सीधे संवाद कर संक्रमण की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इंदौर में ड्राइव-इन द्वारा संक्रमण जांच के लिए बड़े मैदानों में व्यवस्था के नवाचार की सराहना की। उन्होंने कहा कि संक्रमण की आरंभिक अवस्था में पहचान से उस पर आसानी से नियंत्रण हो जाता है। अतः संक्रमण की प्रारंभिक अवस्था में ही जांच किया जाना जरूरी है। उन्होंने इस संबंध में जन-जागृति का व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए।

प्रदेश में 64 ऑक्सीजन वाले कोविड केयर सेंटर शुरू

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य शासन गरीबों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संकल्पित है। गरीब व्यक्ति, जिनके पास पात्रता पर्ची नहीं है, उन्हें भी निःशुल्क अनाज उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थान पर किसी भी अवस्था में भीड़-भाड़ नहीं होना चाहिए। बैठक में बताया गया कि ऑक्सीजन एक्सप्रेस से आए टैंकरों को खाली कर हवाई जहाज द्वारा वापस भेजा गया है। प्रदेश को ऑक्सीजन के दो नए टैंकर भी प्राप्त हुए हैं, जिन्हें राउरकेला में फिलिंग के लिए भेज दिया गया है। प्रदेश में 204 आइसोलेशन और 64 ऑक्सीजन वाले कोविड केयर सेंटर शुरू हो गए हैं, जिनमें 12,290 आइसोलेशन बेड्स और 965 ऑक्सीजन बेड उपलब्ध हैं, जिनकी आक्युपेंसी का प्रतिशत क्रमशः 29 और 58 प्रतिशत है। 21 ल 30-4-21

सबसे बड़ी ताकत... मेडिकल कॉलेज

वुहान में जब पहला मामला मिला तब जिला अस्पताल पर निर्भर थे

भास्कर संवाददाता | रतलाम

आज रतलाम की सबसे बड़ी ताकत मेडिकल कॉलेज है। चीन के वुहान शहर में 17 नवंबर 2019 को कोरोना का पहला मामला सामने आया था। उस वक्त हमारा ये कॉलेज खुद जिला अस्पताल के भरोसे था, जहां से मरीजों तक को इंदौर रेफर किया जा रहा था। लेकिन आज 6 जिलों के मरीज मेडिकल कॉलेज के भरोसे हैं। यहां तक की इंदौर के केस भी रतलाम आ रहे हैं। पढ़ें... कैसे हमारा मेडिकल कॉलेज सबसे बड़ी ताकत बना...।

2019 तक मेडिकल कॉलेज सिर्फ एक था...

यहां पढ़ाई हो रही थी। 2018 की बैच का पहला परिणाम आया था, कॉलेज में सक्सेस पार्टी भी मनी। अस्पताल को शुरू करने के लिए बैठकें हो रही थीं लिपिक स्टाफ की भर्ती की तैयारी की जा रही थी। कोरोना का पहला मामला सामने आने के बाद किसी ने भी नहीं सोचा था कि यह इस कदर बढ़ेगा। अलर्ट मोड पर आ गए-इधर, भारत में आने के बाद भी ज्यादा सख्ती नहीं हुई। हालांकि, केस बढ़े तो फरवरी में विभाग अलर्ट मोड पर आ गया। 29 फरवरी को एक बैठक हुई, इसमें तय हुआ कि... यदि कहीं भी मरीज आता है, तो जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर मिलकर काम करेंगे।

जिला अस्पताल में आइसोलेशन वार्ड बना

9 मार्च को जयपुर से लौटी महिला को भर्ती किया। हालांकि, डॉक्टरों ने कोरोना से इनकार किया था। मार्च अंत तक आइसोलेशन को मेडिकल कॉलेज में शिफ्ट करने की तैयारी कर ली थी। आइसोलेशन के 40 तो क्वारेंटाइन के 50 बेड बने थे।

हाथ कांप रहे थे, आज निडर... आंखों में जोश

11 अप्रैल को मोचीपुरा के एक व्यक्ति की रिपोर्ट पॉजिटिव मिल गई। वे पहले मरीज थे, जब कॉलेज पहुंचे तो नर्सों के भी हाथ कांप रहे थे। सभी दूर-दूर जा रहे थे। आज पूरा स्टाफ निडर होकर इलाज कर रहा है।

क्षमता; 568 बेड, 146 ऑक्सीजन बेड

आज मेडिकल कॉलेज बड़ी ताकत है, कॉलेज में 568 बेड हैं। इनमें से 146 ऑक्सीजन बेड हैं, जहां मरीजों का इलाज किया जा रहा है। 140 डॉक्टर इलाज में लगे हुए हैं, रतलाम के अलावा मंदसौर, नीमच, झाबुआ, धार, उज्जैन के मरीज भी मेडिकल कॉलेज में ही भर्ती हैं।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–नईदुनिया–पृष्ठ 12..दिनांक..30/04/..2021

नौ दिन में बांटी 1500 किट

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। होम आइसोलेट कोरोना पाजिटिव मरीजों के घर जाकर नगर निगम का अमला मेडिसिन किट उपलब्ध करा रहा है। सभी 49 वार्डों में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो हर दिन लिस्ट मिलने के बाद घर-घर जाकर किट पहुंचा रहे हैं। 19 अप्रैल से लागू व्यवस्था में नौ दिन में होम आइसोलेशन मरीजों को 1500 किट का वितरण किया जा चुका है।

किट वितरण के नोडल अधिकारी व निगम कार्यपालन यंत्री जीके जायसवाल ने बताया कि उनके साथ धर्मेंद्र दोगाया भी काम कर रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह हर दिन ई-दक्ष केंद्र से सूची प्राप्त कर रहे हैं। इसी तरह सभी वार्डों में प्रभारी और पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। कलेक्टर व निगम आयुक्त के निर्देश पर किट वितरण किया जा रहा है।

159 मरीजों तक पहुंची मेडिसिन किट

रतलाम | गुरुवार नगर निगम की टीम ने 159 होम आइसोलेट मरीजों को मेडिसिन-किट पहुंचाई। ई-दक्ष केंद्र से 185 की सूची मिली थी। चार मरीज अस्पताल में भर्ती पाए गए। इसमें से सात के पते और मोबाइल नंबर गलत निकले। 6 मरीज नगरीय क्षेत्र से बाहर के मिले। वहीं 8 मरीजों को पहले ही मेडिसिन किट मिल गई थी।

मरीजो की सुरक्षा हेतु नगर निगम हमेशा तत्पर रहेगा

रतलाम। मेडिकल कॉलेज में उपचारत् कोविड-19 के भर्ती मरीजों किसी भी प्रकार से ऑक्सीजन की कमी ना हो इस हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा ऑक्सीजन सिलेण्डर कार्य की सतत् निगरानी रखी जा रही है जिसके तहत निगम आयुक्त श्री झारिया ने मेडिकल कॉलेज पंहूचकर ऑक्सीजन सिलेण्डर के संबंध में जानकारी ली।

निगम आयुक्त झारिया ने मेडिकल कॉलेज पंहूचकर कॉलेज डीन जितेन्द्र गुप्ता से ऑक्सीजन सिलेण्डर सप्लाय व अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा कर व्यवस्थाओं में सुधार किये जाने हेतु भरोसा दिलाते हुए कहा कि नगर निगम मरीजों की सुरक्षा व अन्य सहयोग हेतु हमेशा तत्पर है। इस अवसर पर सहायक यंत्री श्याम सोनी, स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी.सिंह आदि उपस्थित थे।

तलाम पत्रिका

सैलाना. सरवन. पिपलौदा. बाजना. रावटी. शिवगढ़. जावरा. बड़ावदा. ताल. आलोट. सुखेड़ा. धामनोद. ढोढर

सफाई, मोहल्लों में लगे हैं कचरे के ढेर

पेज@06

ी खबरें
व्यापक कवरेज, वीडियो के लिए संबंधित लोगो पर टाइप करें...

यहां आपकी या आपके क्षेत्र की खबर से जुड़ा वीडियो अपने मोबाइल फोन पर देख सकते हैं।

इस लिंक की मदद से देखें घटना-कार्यक्रम से जुड़ी अन्य तस्वीरें।

यहां मिलेगी खबर से जुड़ी विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तृत और एक्सक्लुसिव जानकारी।

अपने शहर, प्रदेश और देश-दुनिया के मुद्दों से जुड़े ऑनलाइन सर्वे में शामिल होकर दें अपनी राय।

आप संबंधित मुद्दे-खबर पर अपने विचार कमेंट बॉक्स में बता सकते हैं।

पत्रिका टीवी पर देखें पल पल की खबरों के अपडेट और व्यापक कवरेज। पत्रिका के यूट्यूब चैनल पर देखें खबरों के ताजा वीडियो।

नगर निगम में चल रहा फर्जीवाड़ा: पत्रिका ने सवाल उठाए तो हुआ खुलासा, अब हड़कंप

बगैर मंजूरी रखे कर्मचारी, बिल बनाने वाले ने बेटे को भी दे दी नौकरी

एक्सपोज

आशीष पाठक
patrika.com

30-06-2021

रतलाम. नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी मस्टर पर रखने में बड़ी गड़बड़ियां सामने आई हैं। यहां पर बिल बनाने वाले बाबू ने बगैर विभागीय मंजूरी लिए 11 कर्मचारियों को कार्यालय के काम के लिए रख लिया। यही नहीं बाबू ने अपने बेटे को भी नौकरी दे दी। यहां तक तो ठीक, मई 2020 में जब नगर निगम पूरा बंद था, तब भी कर्मचारियों के नाम वेतन निकल गया। अब जब 'पत्रिका' ने मामले में जिम्मेदारों से सवाल किए तो हड़कंप मच गया है व तीन दिन में जांच व बड़ी कार्रवाई की बात कही जा रही है।

नगर निगम में मस्टर के नाम पर बड़ी आर्थिक गड़बड़ी सामने आई है। असल में वर्ष 2016 में तत्कालीन स्वास्थ्य अधिकारी राजेंद्रसिंह ने मंजूरी लेकर 36 कर्मचारियों को गैंग सहित अन्य कार्यों के लिए रखा था। इन सभी 36 कर्मचारियों को नए प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी एपीसिंह ने बगैर मंजूरी के हटा दिया। इसके बाद निगम के स्वास्थ्य विभाग के बिल बनाने, मस्टर भरने वाले एक बाबू धर्मेंद्र चौहान ने नए कर्मचारी तो रखे ही इसके साथ साथ अपने बेटे को भी नौकरी दे दी।

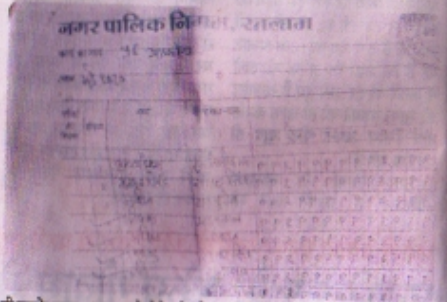

यह है नियम

निगम के नगर निगम अधिनियम 1956 की धाराओं के अनुसार किसी को मस्टर पर रखने के लिए मेयर इन कौंसिल की मंजूरी जरूरी है। 2020 में जब यह नियुक्तियों का खेल चला तब परिषद का कार्यकाल पहले ही समाप्त हो गया था। इसके बाद अगर परिषद नहीं हो तो नियम कहता है कि आयुक्त को प्रशासक की स्वीकृति लेना जरूरी होता है, लेकिन इन मामलों में आयुक्त को भी अंधेरे में रखा गया।

इनको दे दी नौकरी

अक्षित धर्मेंद्र चौहान, संदीप किशनलाल, दीपक मदनलाल, विष्णु ईश्वर, उषा राजू मूरली, रवि किशनलाल, विजय राजेश, सुनील रमेश, दीपेश श्यामलाल, राजेंद्र लालसिंह, गौरव ओमप्रकाश को नियम का खिलवाड़ करके रखा गया। इसमें भी संदीप व रवि के पिता एक ही है। मतलब की एक ही परिवार के दो सदस्यों को उपकृत किया गया। बड़ी बात यह कि शहर के झोन प्रभारियों ने इस मामले में विरोध भी किया, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के दबाव में इसको लगातार नजरअंदाज किया जाता रहा।

यह गंभीर है, तीन दिन में जांच होगी

यह बेहद गंभीर मामला है, तीन दिन में इसकी जांच स्वयं कर रहा हूं। इसमें जो दोषी है उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

- सोमनाथ झारिया, आयुक्त नगर निगम रतलाम

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–नईदुनिया–पृष्ठ 03 दिनांक 30/4/2021

पथ विक्रेताओं के खातों में आज जमा होंगे एक-एक हजार रुपये

भोपाल (नईदुनिया स्टेट ब्यूरो)। कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुए फुटपाथ पर ठेला लगाकर काम-धंधा करने वालों की मदद के लिए सरकार एक-एक हजार रुपये उनके खाते में जमा कराएगी। शहरी और ग्रामीण पथ विक्रेताओं के खातों में यह राशि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सिंगल क्लिक के माध्यम से शुक्रवार को जमा कराएंगे। नगरीय विकास विभाग ने इसके लिए वित्त विभाग को सौ करोड़ रुपए से अधिक का प्रस्ताव भेजा था, जिसे स्वीकृत कर दिया गया है। प्रदेश में कोरोना लॉकडाउन की वजह से ठप पथ विक्रेताओं के कारोबार को फिर से खड़ा करने के लिए सरकार ने बैंकों से दस हजार रुपये का ऋण दिलाने की योजना लागू की थी। शहरी क्षेत्रों में केंद्र सरकार की योजना में शिवराज सरकार ने अपनी ओर से ब्याज की राशि देने का प्रविधान किया। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मुख्यमंत्री पथ विक्रेता योजना लागू की। दोनों क्षेत्रों में साढ़े छह लाख से अधिक उपभोक्ताओं को बैंकों से राशि दिलाई गई है। कोरोना संक्रमण की कड़ी को तोड़ने के लिए पूरे प्रदेश में कोरोना कर्फ्यू लागू है। इस दौरान हाथठेला और फुटपाथ पर दुकान लगाकर रोजी-रोटी कमाने वालों के काम बंद हैं। ऐसे में इन्हें आर्थिक सहायता देने के लिए एक-एक हजार रुपये सिंगल क्लिक के माध्यम से खातों में जमा कराए जाएंगे।

आज स्ट्रीट वेंडर से बात करेंगे मुख्यमंत्री

रतलाम। लॉकडाउन में निचले तबके के व्यवसायियों को राहत देने के उद्देश्य से शुक्रवार को स्ट्रीट वेंडरों के खाते में एक-एक हजार रुपए की राशि ट्रांसफर की जाएगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दोपहर 3 बजे पथ व्यवसायियों से बात भी करेंगे। जिला मुख्यालय पर यह कार्यक्रम नए कलेक्टोरेट के एनआईसी कक्ष में होगा। नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन सिटी मैनेजर नितिन तिवारी, कपिल मारोठिया को पांच शहरी पथ व्यवसायियों को कलेक्टोरेट ले जाने तथा मीटिंग के दौरान कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए हैं।

30/04/21

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार दै. भास्कर --पृष्ठ 21 दिनांक 30/04/2021

प्रदेश में पहली बार पढ़िए अनोखी रिसर्च के बारे में जिसका फोकस महामारी की प्लानिंग व मैनेजमेंट, ताकि नए कॉलेज को ना होना पड़े परेशान, अब भविष्य की तैयारी में, कोरोना पर 9 महीने में 10 स्टडी, कोई कोरोना से मौतों का कारण पता लगा रहा, तो कोई ड्यूटी के दौरान तनाव पर कर रहा अध्ययन, प्रदेश के नए कॉलेजों में इकलौता... **जहां हो रही रिसर्च**

नए कॉलेजों के लिए मिसाल बना रतलाम का मेडिकल कॉलेज...

ड्यूटी पर डॉक्टर व नर्सों के तनाव पर शोध, संक्रमितों की मौतों की वजह जानने में जुटे

भास्कर संवाददाता | रतलाम

कोई भी बुखार होने पर फीवर क्लीनिक पर जांच कराएं

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में कोविड-19 के मामलों का बढ़ना चिंताजनक है। ऐसी स्थिति में हम सबको सतर्क रहना होगा। बुखार होने पर डाक्टरों से सलाह लेकर तत्काल उपचार शुरू करें। किसी भी प्रकार का बुखार सर्दी खांसी होने की स्थिति में जिला चिकित्सालय के फीवर क्लीनिक पर अपना सैंपल परीक्षण कराएं। शीघ्र सैंपल कराने की स्थिति में समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा सकता है। जिससे रोगी के गंभीर अवस्था में पहुंचने की आशंका नहीं रहती।

डा.प्रभाकर ननावरे

वह सलाह देते हुए मुख्य चिकित्सा एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. प्रभाकर ननावरे ने कहा कि पॉजिटिव आने की स्थिति में विभाग द्वारा निर्धारित पूरा उपचार कराएं। सीएमएचओ ने बताया कि कोरोना से बचाव के लिए पूरे समय मास्क अवश्य पहनें। अपने हाथों को बार-बार साबुन पानी से धोएं। हर स्थिति में दूसरों से दो गज की दूरी पर रहकर बात करें। बहुत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें। अभी कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और अभी कुछ दिन ऐसी स्थिति रहने की संभावना है। अपने नजदीकी केंद्र में जाकर टीका अवश्य लगवाएं और इसके बाद भी सावधानी रखना जरूरी है। सकारात्मक विचार रखें और जो प्रोटोकाल शासन-प्रशासन ने तय किए हैं, उसका पालन करें, तभी हम कोरोना जैसी महामारी से जीत पा सकते हैं। बुजुर्गों और बच्चों का विशेष ध्यान रखें और उन्हें घर से बाहर न निकलने दें। अब बच्चों पर भी बीमारी का प्रभाव तेजी से पड़ने लगा है, ऐसे में सावधानी बहुत आवश्यक है।

18 से 45 वर्ष के लोगों को लायंस हाल में लगेगा टीका

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में पांच मई से 18 से 45 वर्ष आयु के लोगों का टीकाकरण शुरू किया जाएगा। सीएमएचओ डाक्टर प्रभाकर ननावरे ने बताया कि इस आयु समूह के लोगों को टीका लगवाने के लिए आनलाइन प्री बुकिंग कराना अनिवार्य रहेगा। जिले में प्रारंभिक टीकाकरण के लिए कुल तीन स्थान निर्धारित रहेंगे। जिसमें रतलाम शहर में लायंस हाल रिलायंस पेट्रोल पंप के पास, आलोट में नगर पालिका परिसर अंबेडकर भवन और जावरा में रेडक्रास सोसाइटी कार्यालय के पास टीकाकरण किया जाएगा। टीकाकरण के अंतर्गत एक ही स्थान पर दो सेशन साइट बनाई जाएगी। एक साइट पर 18 से 45 वर्ष आयु समूह के लोगों को टीके लगेंगे जबकि उसी स्थान पर दूसरी साइट पर 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को टीका लगाया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक कोविन साइट में अब कोई दिक्कत नहीं है। तेजी पंजीयन हो रहे हैं। अभी एक दिन का समय है, टारगेट के अनुसार पंजीयन हो जाएगा। सीएमएचओ डा. प्रभाकर ननावरे ने बताया कि 24 घंटे में लगभग 230 पंजीयन हुए हैं। पूरी जानकारी भोपाल से 30 अप्रैल की शाम तक आएगी। भोपाल से मिलने वाली सूची के आधार पर टीका लगाया जाएगा।

इस तरह होगा आनलाइन रजिस्ट्रेशन

जिला टीकाकरण अधिकारी डा. वर्षा कुरील ने बताया कि एडवांस बुकिंग कोविन 2.0 पोर्टल पर लिंक एचटीटीपीएस:// डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.कोविन.जीओवी.इन/ पर क्लिक करके करवा सकते हैं। इस लिंक पर हितग्राही को अपना मोबाइल नंबर लिखना होगा। नंबर लिखने के बाद गेट ओटीपी पर क्लिक करने से एक ओटीपी आएगा जिसे मोबाइल पर दर्ज करना होगा। इसके बाद नाम, उम्र, लिंग आदि की जानकारी अटैच किए गए आइडी के आधार पर दर्ज करना होगी। केंद्र का नाम, तारीख आदि की जानकारी अपनी सुविधा अनुसार दर्ज कर सकते हैं। पंजीयन के बाद आइडी संबंधी दस्तावेज लेकर टीकाकरण करवा सकते हैं।

रात 3 बजे आई ऑक्सीजन, 10 टन मेडिकल कॉलेज पहुंचाई

350 सिलेंडर निजी अस्पतालों के लिए सुरक्षित किए

भास्कर संवाददाता | रतलाम

कोविड पैशेंट, परिजन और प्रशासनिक अमले को बुधवार रात 3 बजे तब राहत मिली जब सूरत से टैंकर 15 टन लिक्विड ऑक्सीजन लेकर आया। टैंकर को गुजरात बार्डर से शहर तक लाने के लिए भी अफसरों को खासी मशक्कत करना पड़ी। दरअसल टैंकर ड्राइवर थांदला में खाना खाकर सोने की तैयारी में था। इसका पता चलते ही विधायक चेतन्य काश्यप और कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने पुलिस टीम भेजी जो थांदला से पायलटिंग करते हुए टैंकर को यहां तक लाए। पहले 10 टन ऑक्सीजन मेडिकल कॉलेज में और 5 टन महावीर प्लांट पहुंचाई गई। इस पांच टन में से भी गुरुवार को 100 सिलेंडर नीमच, 100 मंदसौर पहुंचाए गए, जबकि करीब 350 शहर के अस्पतालों के लिए रखे गए। इनमें कुछ अस्पतालों तक पहुंच भी गए हैं। गुरुवार को प्रशासन ने 5 से 6 टन ऑक्सीजन का और इंतजाम कर लिया है। यह शुक्रवार सुबह यहां पहुंच जाएगी।

छोटे सिलेंडर नहीं कर रहे रिफिल – सरकारी प्रोटोकॉल अन्य बीमारी से ग्रस्त होकर घर पर इलाज करवा रहे मरीजों के लिए मुसीबत बन गया है। इनके लिए परिजन ने महंगे दाम (2000 से 2500 रुपए) में छोटे सिलेंडर तो खरीद लिए लेकिन प्लांट पर रिफिलिंग नहीं हो रही। वर्तमान में प्लांटों की व्यवस्था राजस्व विभाग के अधिकारी व कर्मचारी के जिम्मे है जो अस्पतालों के अलावा किसी को सिलेंडर भरकर नहीं देने दे रहे हैं। गुरुवार शाम ऐसे ही करीब 10 से 12 मरीजों को महावीर ऑक्सीजन प्लांट से लौटना पड़ा।

आज उज्जैन और सूरत से आ सकता है टैंकर

मेडिकल कॉलेज व अस्पतालों में फिलहाल शुक्रवार सुबह तक की ही ऑक्सीजन है। गुरुवार को हालांकि प्रशासन ने उज्जैन से वैकल्पिक इंतजाम किया है। शुक्रवार को उज्जैन एक टैंकर पहुंचने वाला है, उसमें से कुछ टन ऑक्सीजन रतलाम भी आएगी। इसके अलावा सूरत से 10 टन आक्सीजन लेकर एक टैंकर रात तक पहुंचने की उम्मीद है।

गाइडलाइन का सख्ती से पालन करवाएं

संक्रमण की चेन ब्रेक करना बहुत जरूरी है इसलिए कोरोना कर्फ्यू की गाइडलाइन का सख्ती से पालन करवाया जाए। यह निर्देश कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने गुरुवार शाम कलेक्टोरेट में हुई मीटिंग में दिए। एसपी गौरव तिवारी, एडिशनल एसपी सुनील पाटीदार, इंद्रजीत बाकलवार, एडीएम जमुना भिड़े अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आदि उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज के सभी बेड फुल : 11 को किया डिस्चार्ज

गुरुवार को 44 नए मरीज मेडिकल कॉलेज में भर्ती

आईसीयू और एचडीयू यूनिट भी हुई पैक

भास्कर संवाददाता | रतलाम

हमारे जिले में बेड को लेकर स्थिति नहीं सुधरी है। गुरुवार को भी जिले में एक भी बेड खाली नहीं था। मेडिकल कॉलेज से 11 लोगों को डिस्चार्ज किया गया, लेकिन 44 नए मरीज भर्ती भी हुए। कॉलेज के आईसीयू, एचडीयू और ऑक्सीजन का एक भी बेड खाली नहीं था।

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने बताया मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में अभी कुल 550 बेड हैं। इनमें से आईसीयू के सभी 56 बेड, एचडीयू के सभी 172 बेड फुल हैं। ऑक्सीजन के सभी 120 बेड फुल है। वहीं, नॉन ऑक्सीजन बेड 202 है, इसमें से 128 पर मरीजों को भर्ती किया गया है। कॉलेज में कुल 476 मरीज इलाज ले रहे हैं, इनमें से 298 पॉजीटिव हैं।

रतलाम के अलावा धार, झाबुआ व मंदसौर के मृतक :- गुरुवार को मेडिकल कॉलेज में 8 लोगों ने कोरोना से दम तोड़ा। इनमें 5 रतलाम, 1 झाबुआ, 1 मंदसौर और 1 धार के मृतक हैं। डीन डॉ. गुप्ता ने बताया कि कॉलेज से डिस्चार्ज होने वाले सभी लोगों को सावधानियां रखने के साथ ही दूसरों को भी सजग करने की शपथ दिलवाई जा रही है ताकि संक्रमण की चेन तोड़ सकें।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–दै. भास्कर–पृष्ठ 08..दिनांक..30/04/..2021

फोटो स्टोरी

गुजारिश: 52 बावड़ियां हमारी विरासत, सुकून की बात यह कि इनमें आधी की आव जिंदा, प्रशासन व आपकी देखरेख ही इसे संजो कर रखेगी

जिला अस्पताल बावड़ी

जिला अस्पताल की यह शहर की दूसरी सबसे बड़ी बावड़ी है। लगभग 90 फीट गहरी होकर 200 साल से भी ज्यादा पुरानी है।

ऊंकाला रोड

गणेश मंदिर के साथ ही इनका निर्माण हुआ है। इनमें कभी पानी खत्म नहीं हुआ। कसारा ऊंकाला ट्रस्ट इनकी देखभाल करता है।

शास्त्रीनगर

भव्यता भले ही न हो लेकिन इसमें पानी अभी भी ऊपर तक भरा है। मंदिर परिसर के बगीचे इसी पानी से हर-भरे रहते है।

नजरबाग कॉलोनी

कम जगह में बनी बावड़ी स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूना है। ढाई शताब्दी पुरानी बावड़ी का कभी जिर्णोद्धार नहीं हुआ।

हनुमान रुंडी

220 साल प्राचीन तीन मंजिला बावड़ी, पानी अभी भी है लेकिन देखरेख के अभाव में हर तरफ कचरा दिखाई देता है।

लोकेंद्रनाथ महादेव

शिवरात्रि, सावन सोमवार को इसके जल से ही सहस्त्रधारा अभिषेक होता है। मंदिर समिति सफाई और देखभाल करती है।

भोवरा

काशी विश्वनाथ के बाद यह शहर की स्वच्छ बावड़ी है। देखरेख होने से आव भी है और जल स्तर अच्छा बना हुआ है।

दो मुंह की बावड़ी

दोनों ओर से रास्ता है और आसपास पेड़ भी हैं। यहां हरियाली अच्छी होने से जल स्तर अच्छा बना हुआ है।

जागरूकता ही भविष्य में इनका अस्तित्व बनाए रखेगी

बावड़ियां आज भी कती हैं मददगार

घने पेड़ों के बीच शहर की सबसे साफ-सुथरी और बड़ी बावड़ी काशी विश्वनाथ की है जो आस्था का स्थल भी है

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार दै.भास्कर पृष्ठ 13 दिनांक 30/04/2021

दैनिक भास्कर 30.4.21 रतलाम

फ्रीगंज : गोदाम में आग लगी, दमकलकर्मियों ने तीन घंटे में पाया काबू

रतलाम | फ्रीगंज स्थित फ्रीज और कूलर के गोदाम में गुरुवार शाम चार बजे भीषण आग लग गई। लोगों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। फायर लॉरी मौके पर पहुंची। आग की लपटें देखकर दूसरी फायर लॉरी बुलाई गई। लेकिन आग काबू में नहीं आ रही थी। इस पर नगर निगम के फायरमैन पड़ोस की छत से ऊपर पहुंचे और फिर गोदाम के छत के पतरे तोड़े और फिर आग बुझाना शुरू किया। तीन फायर लॉरी के 15 फेरों की मदद से आग पर काबू पाया गया। गोदाम विजय हेमनानी का बताया जा रहा है और आग लगने की वजह दमकल विभाग शॉर्ट सर्किट होना बता रहा है। दमकल विभाग के भूपेंद्रसिंह चौहान, मोहनसिंह, लोकेंद्रसिंह, जितेंद्रसिंह, धनपालसिंह, रितेशसिंह, प्रखीणसिंह, अंकित जौहरी, आनंद, प्रवीण पांचाल, करण सिंह ने पास की छत पर पहुंच और फायर लॉरी पर चढ़कर आग बुझाई।

फ्रीगंज स्थित गोदाम में लगी आग।

खास-खास

- 04 बजे शाम को लगी आग
- 03 फायर लॉरी की मदद ली
- 15 फेरे लगे तब जाकर बुझी आग
- 03 घंटे में आग पर पाया काबू
- शॉर्ट सर्किट को दमकलकर्मियों ने माना वजह

मेडिकल कॉलेज की बदौलत... अब रतलाम स्वास्थ्य के क्षेत्र में मजबूत हो रहा है। कॉलेज का सबसे बड़ा फायदा यहां होने वाली रिसर्च है... मध्यप्रदेश के नए खुले कॉलेजों में रतलाम इकलौता ऐसा कॉलेज है, जहां रिसर्च हो रही है। हाल ही में कॉलेज का रिसर्च पेपर पब्लिश हुआ है... इसमें बताया है कि महामारी के दौर में नए कॉलेज के लिए क्या चुनौतियां होती हैं... किस तरह प्लानिंग के बलबूते कॉलेज परिस्थितियों से मुकाबला कर सकता है। इस रिसर्च का फायदा यह होगा कि... भविष्य में जो भी नए कॉलेज खुलेंगे, वे इस रिसर्च से सीख ले सकेंगे। इस तरह की रिसर्च प्रदेश में पहली बार रतलाम मेडिकल कॉलेज में ही हुई है। वहीं, कॉलेज में कोरोना काल के दौरान 9 महीने में 10 प्रोजेक्ट शुरू हो चुके हैं। इसमें कोरोना काल में ड्यूटी में जुटे डॉक्टर और नर्सों के तनाव पर अध्ययन किया जा रहा है। बहरहाल इनके परिणाम भी दो से तीन महीने में आएंगे... जो बड़ी उपलब्धि होगी।

1 महीने की तैयारी में बना रतलाम मेडिकल कॉलेज कोविड हॉस्पिटल

कॉलेज में यह रिसर्च तत्कालीन डीन डॉ. संजय दीक्षित, डॉ. ध्रुवेंद्र पांडेय और डॉ. उमेश सिन्हा ने की है। रिसर्च में बताया कि कोरोना काल की शुरुआत में मेडिकल कॉलेज को सिर्फ क्वारेंटाइन सेंटर तय किया था। पॉजिटिव मरीजों का इलाज जिला अस्पताल में हो रहा था। कॉलेज के पास 950 बेड का भवन था लेकिन बेड उपकरणों का इंस्टॉलेशन होना बाकी था। सिर्फ एक महीने में ही मेडिकल कॉलेज में जिला कोविड हॉस्पिटल की शुरुआत हो गई और पॉजिटिव मरीजों का इलाज होने लगा। कोविड हॉस्पिटल की शुरुआत 10 बेड से हुई थी जहां अब 400 से ज्यादा बेड हैं।

1 मरीजों की देखभाल- मरीजों की देखभाल बड़ी चुनौती थी क्योंकि उनके परिजन पास नहीं होते थे। स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कॉलेज ने वार्ड में मोबाइल फोन, टीवी, योगा, मेडिटेशन सहित अन्य प्रयोग किए।

2 सैंपलों की जांच- मेडिकल कॉलेज में माइक्रोबॉयोलॉजी डिपार्टमेंट था लेकिन लैब फेसिलिटी नहीं थी। जांच के सैंपल इंदौर व भोपाल भेजे जा रहे थे। नए संस्थान के लिए ये सबसे बड़ा चैलेंज है। दो महीने में कॉलेज में आरटीपीसीआर जांच शुरू हो गई। शुरुआत में सिर्फ रतलाम जिले के सैंपलों की जांच हो रही थी लेकिन बाद में मंदसौर और नीमच जिले की जांच भी होने लगी। लैब ने 24 घंटे काम किया। टेस्टिंग कैपेसिटी बढ़ती गई, अब 600 सैंपल की रोज जांच हो रही है।

3 प्रोटोकॉल - कोविड काल में सब कुछ लाइव हो रहा था। ऐसे में प्लान को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रोटोकॉल में बदलाव होते रहे। डिस्चार्ज पॉलिसी, होम आइसोलेशन, ट्रीटमेंट गाइडलाइन, कंटेक्ट ट्रेसिंग, डेडबॉडी मैनेजमेंट आदि। हर प्रोटोकॉल का वर्जन अपग्रेड करता गया।

4 ह्यूमन रिसोर्स - ह्यूमन रिसोर्स की उपलब्धता बड़ी चुनौती थी। नए मेडिकल कॉलेज में ज्यादातर पोस्ट वैकेंट रहती है। सीनियर जूनियर रेसीडेंट, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ रीढ़ की हड्डी साबित हुए।

महामारी में मेडिकल कॉलेज के ये बिंदु नए कॉलेजों के लिए उपयोगी

- पैरेंट केयर और समन्वय ऐसी स्थिति से निपटने के लिए बहुत जरूरी है।
- बॉयो सेफ्टी मेजर अनिवार्य होना चाहिए।
- **ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सबसे महत्वपूर्ण है।**
- मानव और सिस्टम के बीच बेहतर समझ और व्यवस्थाओं को लागू करना जरूरी है। घटनाओं से सीख लेकर आगे बढ़ना होगा।
- ट्रेनिंग सबसे महत्वपूर्ण है, लेकिन वह क्लास रूम की बजाय लाइव सिचुएशन में हो। ट्रेनिंग रेग्युलर होना चाहिए... क्योंकि गाइडलाइन रोज बदलती है।

रतलाम मेडिकल कॉलेज आंकड़ों में

2018 के सितंबर में मेडिकल कॉलेज की शुरुआत हुई थी।

26 छोटे-बड़े भवन कॉलेज परिसर में बने हुए हैं।

750 बेड का कॉलेज में मल्टी स्पेशियलटी अस्पताल शुरू होना है, हालांकि, इससे पहले 568 बेड का कोविड हॉस्पिटल शुरू हो गया है।

70 से ज्यादा प्रोफेसर कॉलेज में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

500 से ज्यादा विद्यार्थी कॉलेज में पढ़ रहे हैं।

2019 में कॉलेज में इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी यानी आईईसी को स्थायी मान्यता मिली थी।

15 से ज्यादा रिसर्च कॉलेज में हो रही है। कोविड काल के दौरान ही 10 प्रोजेक्ट शुरू हो चुके हैं।

30 से ज्यादा प्रोफेसर रिसर्च कर रहे।

2 से 3 महीने में ज्यादातर रिसर्च के रिसर्च पेपर सब्मिट हो जाएंगे।

11 अप्रैल को हमारे जिले में कोरोना का पहला केस मिला था तभी से मेडिकल कॉलेज में मरीज भर्ती हो रहे हैं।

500 से ज्यादा मरीज अब तक कॉलेज में भर्ती हो चुके हैं।

100 मेडिकल कॉलेज देश के नेशनल क्लिनिकल रजिस्ट्री पर काम कर रहे हैं, इसमें रतलाम मेडिकल कॉलेज भी शामिल है।

मेडिकल कॉलेज आगे बढ़ रहा... यह रिसर्च इंस्टीट्यूट बनेगा

● रतलाम के मेडिकल कॉलेज को दो साल पहले केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी यानी आईईसी को मान्यता दी थी। प्रदेश के नए कॉलेजों में सिर्फ

रतलाम में एथिकल कमेटी को मान्यता मिली है... जो बड़ी बात है। हाल ही में एक रिसर्च पब्लिश हुई है, इसमें बताया गया है कि कोरोना काल में किस तरह नए कॉलेज को तैयार होने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इससे क्या सीख मिली... यह पेपर उन लोगों के काम आएगा... जहां नए कॉलेज तैयार होंगे। वे इस रिसर्च को पढ़कर खुद के लिए प्लानिंग बना सकेंगे। किसानों की मौत के कारण, टीबी सहित अन्य विषय पर शोध हो रहे हैं, जो अच्छी बात है।

- डॉ. संजय दीक्षित,
तत्कालीन डीन, मेडिकल कॉलेज, रतलाम

एक-दो माह में निष्कर्ष आएगा

● कोरोना काल में 10 प्रोजेक्ट हुए हैं, जो बड़ी बात है। एक साल में रिपोर्ट देना होती है, एक से दो महीने में रिपोर्ट सब्मिट हो जाएगी। इसके बाद

निष्कर्ष सामने आएगा।

डॉ. ध्रुवेंद्र पांडेय, मेडिकल कॉलेज

बेहतर निर्णय हो सकेंगे

● कॉलेज में अन्य प्रोजेक्ट की रिपोर्ट

सब्मिट होने वाली है। इन प्रोजेक्ट से भविष्य में आने वाली बीमारियों की स्टडी में मदद मिलेगी। बेहतर निर्णय हो सकेंगे।

डॉ. जितेंद्र गुप्ता, डीन, मेडिकल कॉलेज, रतलाम

तलहटी में जमा गाद हटे तो संवरे स्वरूप

सबसे छोटी बावड़ी

नामः भकतान की बावड़ी
स्थानः महू रोड बस स्टैंड के पास
खासियतः आसपास चार मंदिर, पानी नहीं टूटा
हालतः करीब 250 साल पहले 1600 वर्ग फीट में फैली यह बावड़ी आसपास भराव होने से अब सिर्फ लगभग 150 वर्गफीट में सिमट गई है। कुछ साल पहले इसकी दीवारों पर पक्की दीवार बना दी गई थी, जिससे इसने बड़े कुएं का रूप ले लिया है।

सबसे बड़ी व साफ बावड़ी

नामः काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर
स्थानः राजीव गांधी सिविक सेंटर, शास्त्री नगर
खासियतः सबसे बड़ी व स्वच्छ पानी
हालतः निर्माण 350 साल से भी पुराना है। काशी विश्वनाथ महादेव मंदिर के पुजारी पं. ललित शर्मा खुद इसकी देखरेख और सफाई करते हैं, जिससे यह शहर की सबसे आकर्षक बावड़ी बन गई है। पानी भी साफ रहता है। इसमें मोटर भी लगी है, जिससे महादेव का जलाभिषेक किया जाता है।

इन कारणों से खत्म होती जा रही हैं शहर की बावड़ियां

- जमींदारों ने जमीनें बेच दीं जिससे बाग-बगीचों की जगह इमारतें बन गई हैं।
- जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और सरकारी अफसरों ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया।
- तलहटी में गाद ज्यादा जमा होने से पानी की आव खत्म हो गई, जिससे कई बावड़ियों में पानी आना बंद हो गया है।
- आसपास के रहवासियों द्वारा कचरा फेंक जाने से कुछ कचरा घर बन कर रह गई हैं।
- प्राचीन बावड़ियों का जीर्णोद्धार और मरम्मत नहीं हुई, जिससे सीढ़ियां ढहती जा रही हैं।

इसलिए बनाते थे बावड़ियां

शास्त्रों की मानें तो जहां शिव है वहां गंगा यानी पानी रहता है। जानकार बताते हैं कि जलाभिषेक के लिए बावड़ियां बनाई जाती थीं। शहर के श्री काशी विश्वनाथ, श्री अमरेश्वर (नगर निगम के पास), श्री महाकालेश्वर, अमरेश्वर (जिला अस्पताल), श्री मनकामनेश्वर, लोकेंद्रनाथ महादेव (हरमाला रोड) बावड़ियां।

शहर की जीवित 28 बावड़ियां

- श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, सिविक सेंटर
- श्री अमरेश्वर महादेव मंदिर, जिला अस्पताल
- श्री महाकालेश्वर महादेव मंदिर, शास्त्री नगर
- श्री अमरेश्वर महादेव मंदिर, नगर निगम के पास
- श्री मनकामनेश्वर महादेव मंदिर, स्टेशन रोड थाना परिसर
- श्री लोकेंद्र नाथ महादेव मंदिर, हरमाला रोड
- भोयरा बावड़ी, थावरिया बाजार क्षेत्र
- श्री गंगेश्वर महादेव, आबकारी कंपाउंड
- काटजू नगर बगीचा
- ऊंकाला रोड की केर बावड़ी
- पटेल कॉलोनी
- हाकिमवाड़ा के सामने
- राजस्व कॉलोनी
- जिला न्यायालय परिसर
- हाथी खाना
- कालिका माता परिसर
- नजरबाग बैंक कॉलोनी
- ऊंकाला रोड खड़े गणपति मंदिर क्षेत्र में तीन बावड़ी
- हनुमान रूंडी परिसर
- हनुमान रूंडी के सामने
- कादरी कॉलोनी
- गोशाला रोड
- त्रिवेणी मुक्तिधाम परिसर
- भकतान की बावड़ी
- सिलावटों का वास
- लक्कड़ पीठा क्षेत्र

शहर की बावड़ियां, जिनका अस्तित्व अब मिट चुका

- गोपाल मंदिर साहू बावड़ी
- ऊंकाला रोड महादेव मंदिर
- पैलेस गेट के सामने
- बावड़ी की चाल (सैलाना रोड)
- अशोक नगर
- ऑफिसर कॉलोनी
- बरबड़ रोड

भास्कर नॉलेज

जिले में बावड़ियां रतलाम शहर में ही हैं। करीब तीन सौ साल पुरानी रियासत काल की इन बावड़ियों का इस्तेमाल मुख्यतः जलाभिषेक के लिए किया जाता था। साथ ही यह पेयजल का भी उस दौर में प्रमुख स्रोत रही हैं। अच्छी बात यह है कि बावड़ियां आज भी पानी की आव से भरपूर हैं। भू-जल विशेषज्ञों का मानना है कि बावड़ियों से आसपास के क्षेत्र का भूजल स्तर भी आसानी से पता लगाया जा सकता है। सुखद बात यह है कि रतलाम में किसी समय बावड़ियों के सहारे भी जलापूर्ति की जाती रही है।

50% शहर की बावड़ियों में अब भी पानी की आव बनी हुई है। साफ-सफाई हो तो साल-भर का जलस्रोत जीवित हो सकता है।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–नईदुनिया पृष्ठ 18 दिनांक 30/04/2021

जनता कर्फ्यू के परिणाम सुखद, कहीं भी न लगे भीड़, टालें शादियां : शिवराज

30-4-21

भोपाल (नईदुनिया स्टेट ब्यूरो)। कोरोना को नियंत्रित करने के लिए संक्रमण की कड़ी को तोड़ना जरूरी है। इसके लिए कुछ जिलों में शादियां टाल दी हैं। सामाजिक संगठनों का सहयोग लेकर शादियां टालने के लिए जनजागरण का काम किया जाए। कहीं भी भीड़ न लगे। जनता कर्फ्यू के सुखद परिणाम अब सामने आने लगे हैं। स्वस्थ होने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इसे बरकरार रखने के लिए खंडवा, छिंदवाड़ा और बुरहानपुर में जिस तरह प्रयास किए गए, वैसे अन्य जिलों में भी अपनाए जाएं। यह बात बुधवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 18 जिलों में कोरोना की स्थिति की समीक्षा करते हुए कही।

कोरोना संकट

- मुख्यमंत्री ने 18 जिलों में कोरोना की स्थिति की समीक्षा की
- स्वस्थ होकर जाने वालों की संख्या में हो रही है लगातार वृद्धि

मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में इंदौर, उज्जैन, रतलाम, टीकमगढ़, धार, अनूपपुर, शाजापुर, नीमच, देवास, निवाड़ी, मंदसौर, खरगोन, शाजापुर, आगर–मालवा, अलीराजपुर, बड़वानी, खंडवा और बुरहानपुर जिले की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने इंदौर में ड्राइव–इन द्वारा संक्रमण जांच के लिए बड़े मैदानों में व्यवस्था के नवाचार की सराहना की। साथ ही कहा कि आरंभिक अवस्था में पहचान से संक्रमण पर आसानी से नियंत्रण हो जाता है। ऐसे गरीब व्यक्ति, जिनके पास पात्रता पर्ची नहीं है, उन्हें भी निशुल्क अनाज उपलब्ध कराया जाएगा

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना नियंत्रण को लेकर जिला आपदा प्रबंधन समूहों के साथ संवाद किया। ● जनसंपर्क विभाग

पर किसी भी सूरत में कहीं पर भीड़ नहीं लगनी चाहिए। संक्रमण की कड़ी को तोड़ने के लिए समाज के सभी वर्गों का साथ लिया जाए।

झांसी से बस परिवहन पर लग सकती है रोक

बैठक में बताया गया कि निवाड़ी और दतिया में उत्तर प्रदेश (झांसी) से लोगों का आना जारी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बस परिवहन को कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करने पर विचार किया जाए। वहीं, बताया गया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के 1.11 करोड़ उपभोक्ता परिवारों को राशन देने के लिए थंब इंप्रेशन नहीं लिया जाएगा।

प्रदेश को मिले दो नए टैंकर, राउरकेला भेजे

बैठक के बाद गृहमंत्री डा.नरोत्तम मिश्रा ने बताया गया कि आक्सीजन एक्सप्रेस से आए टैंकरों को खाली करके हवाई जहाज से वापस भेजा गया है। प्रदेश को आक्सीजन के दो नए टैंकर भी प्राप्त हुए हैं, जिन्हें राउरकेला भरने के लिए भेजा है। कोरोना की गति को काबू में करने के प्रयासों के परिणाम दिखाई देने लगे हैं। पॉजिटिविटी दर बढ़ रही है। सात सौ प्रकरण मंगलवार की तुलना में कम आए हैं।

फ्रीगंज में इलेक्ट्रिक व्यापारी के गोदाम में आग

दूर तक दिखाई दिया धुआं, 15 फायर लारी तीन घंटे जुटी रही

फ्रीगंज में इलेक्ट्रिक व्यापारी के गोदाम में लगी भीषण आग। •नईदुनिया 30/4/2021

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। ... गुरुवार शाम करीब चार ... फ्रीगंज स्थित इलेक्ट्रिक व्यापारी के गो... अचानक आग लग गई। गोदाम में पुरा...

इलेक्ट्रिक सामान के व्यापारी सतीश हेमनानी का गोदाम फ्रीगंज में है। गोदाम में बड़ी संख्या में सामान रखा हुआ था जो आग लगने से जलकर खाक हो गया। गोदाम के ऊपरी हिस्से में शेड को भी आग की लपटों के चलते नुकसान पहुंचा है। भीषण आग के चलते दूर से ही काला धुंआ और लपटें दिखाई दे रही थी। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। आग बुझाने में निगमकर्मी भूपेंद्रसिंह चौहान, अंकित जौहरी, मोहसिन खान, धनपालसिंह, लोकेंद्रसिंह, शेखर चावरे, दयाराम घोसर, संजय अनोखीलाल, करणसिंह, यूसुफ अहमद, जितेंद्रसिंह, आनंद, विजयसिंह प्रवीणसिंह, नितिन अंदवाल आदि शामिल रहे।

पिछले हिस्से में मकानों को नुकसान

गोदाम का पिछला हिस्सा स्टेशन रोड वाले क्षेत्र में आता है। यहां भी आग की लपटें निकलने से आसपास के रहवासी व दुकानदारों में हड़कंप मच गया। गर्डर-फर्शी का मकान होने के कारण आग से नुकसान पहुंचा है।

हनुमान तालः पिचिंग कर तालाब की पाल को मजबूत कर चौड़ा करेंगे, बीच में मॉर्निंग वॉक, जॉगिंग के लिए 150 मी. लंबा और 10 फीट चौड़ा ब्रिज बनेगा

भास्कर संवाददाता | रतलाम

श्री कलिका माता मंदिर के बाद हनुमान (सज्जन मिल) तालाब शहर का प्रमुख पिकनिक स्पॉट बन गया है। बाल हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार, आसपास बगीचा बनाने के बाद अब योजना हनुमान तालाब को पूरी तरह विकसित करने की है। इसमें कई जगह से फूटी तालाब की पाल को पिचिंग कर मजबूत बनाया जाएगा। वहीं लोगों को आकर्षित करने के लिए बीच में 150 मीटर लंबा और करीब 10 फीट चौड़ा ब्रिज बनाने की योजना भी चल रही है। यह मंदिर से शुरू होकर सामने भैरवजी मंदिर तक जाएगा। इस पर मॉर्निंग वॉक और जॉगिंग की सुविधा भी लोगों को मिलेगी। हनुमान ताल को पिकनिक स्पॉट बनाने में अरिहंत ग्रुप का खासा योगदान है। विधायक चैतन्य काश्यप की पहल पर ग्रुप ने ही मुंबई के आर्किटेक्ट लक्ष्मीकांत व्यास से इसके सौंदर्यीकरण का प्लान तैयार किया है। इसमें रेस्टोरेंट, मंदिर के समीप घाट निर्माण कर तालाब कर बोटिंग क्लब चलाना भी शामिल है। इसी सिलसिले में तालाब में केनाइंग मैराथन (नौका प्रतियोगिता) भी पूर्व में कराई जा चुकी है।

जल संसाधन, निगम मिलकर सुधारेंगे तालाब की दशा

हनुमान ताल की दशा सुधारने की जल संसाधन और नगर निगम ने भी तैयारी शुरू कर दी है। इसमें नक्शा के हिसाब से तालाब की जमीन का सीमांकन करने तथा पाल को मजबूत और चौड़ाई करने की योजना बनाई जा रही है। इसमें तालाब के आसपास का अतिक्रमण भी हटाया जाएगा। बांध के संकरे स्लैब को चौड़ा कर रैलिंग लगेगी। भूमि का वेस्ट मटेरियल से समतलीकरण करके ओपन जिम के उपकरण लगाने, एक्यूप्रेशर वाले इंटरलॉकिंग सीमेंट ब्लॉक लगेंगे।

मालवा को तरक्की दे रहे प्रोजेक्ट • लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित होगा शहर का 1799 हेक्टेयर का क्षेत्र, एमपीआईडीसी ने जर्मीन का चयन कर रिपोर्ट बनाई

रतलाम में बनेगा प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा विशेष निवेश क्षेत्र

18 हजार करोड़ से 24000 लोगों को रोजगार मिलेगा

निगम आयुक्त से की मांग

महाराणा प्रताप का भाला क्षतिग्रस्त, जयंती से पूर्व सुधारवाने की मांग

रतलाम @ पत्रिका. शहर के मध्य स्थापित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर महाराणा प्रताप के हाथ में लगा भाला कुछ समय पहले क्षतिग्रस्त हो चुका है। अगले माह 9 मई को महाराणा प्रताप की जयंती आ रही है और इसे करणी सेना, राजपूत नवयुवक मंडल और समाजजन बड़े धूमधाम से मनाते हैं। ऐसे में क्षतिग्रस्त भाला नगर निगम जयंती के पहले सुधरवाएं क्योंकि यह क्षतिग्रस्त भाला कभी भी गिरकर दुर्घटना को कारित कर सकता है।

राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना जिला उपाध्यक्ष सौरभ सिंह राजपूत ने निगम आयुक्त सौमनाथ झारिया को यह पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष जीवनसिंह शेरपुर कुछ समय पहले भी इस बारे में निगम आयुक्त को पत्र लिख चुके हैं। अब 9 मई को महाराणा प्रताप जयंती आ रही है। जिसमें करणी सेना प्रशासन से निवेदन करती है कि भाला सही किया जाए। महाराणा प्रताप राजपूतों के भगवान समान है।

मामला दिव्यांग के वार्डो में से दस्तावेज लेने का

सरकार चाहती दूरी रखें, निगम ने 49 वार्ड दारोगा को दे दिए नोटिस

रतलाम. सरकार चाहती है आमजन कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के नियम का पालन करें। इसके लिए घर में रहे। नियम का पालन हो जरूरी वस्तुओं को छोड़कर शेष दुकानें बंद है। नगर निगम के अधिकारी ऐसा नहीं मानते। लॉकडाउन में घर घर जाकर दिव्यांग के घर जाकर दस्तावेज लाने में असफल 49 वार्ड के सभी दारोगाओं को कारण बताओ सूचना पत्र थमा दिया गया है।

असल में सामाजिक व निःशक्तजन कल्याण विभाग ने शहर में प्रत्येक दिव्यांग के लिए सर्वे करने का निर्णय लिया था। दिव्यांग को आधारकार्ड, मोबाइल नंबर, फोटो, दिव्यांगता का प्रमाणपत्र आदि निगम में मार्च तक जमा करवाना था। 19 जनवरी से वार्ड दारोगाओं को सर्वे करके दस्तावेज जुटाने थे। कुछ वार्डो के दारोगाओं ने एकत्रित किए भी लेकिन अन्य प्राथमिकता के चलते कार्य पूरा नहीं हो पाया। नगर निगम उपायुक्त ने सभी दारोगाओं को 15 दिन का वेतन काटने के साथ कारण बताओ सूचना पत्र 27 अप्रेल को जारी किया है।

एक तरफ सरकार लॉकडाउन लगाए हुए है व सामाजिक दूरी रखने का पाठ पढ़ा रही है, दूसरी तरफ निगम चाहती है कि घर घर वो दारोगा जाए जो सुबह 5 बजे से लेकर देर शाम तक मोहल्ले में कई लोग के संपर्क में आता है। इससे आधे माह का वेतन काटने की बात कहना गलत है। - **राहुल निंघाने,** प्रदेश अध्यक्ष मप्र वाल्मिकी महापंचायत

कर्मचारी को सभी प्रकार की जवाबदारी के बाद भी हर सरकारी कार्य को करना ही है। कोरोना के दौरान जरूरी कार्य में दिव्यांग के दस्तावेज लाना भी कार्य का हिस्सा ही है। - **सोमनाथ झारिया,** आयुक्त नगर निगम